आरती मनसा देवी जी की

जय मनसा माता श्री जय मनसा माता,
जो नर तुमको ध्याता,
जो नर मैया जी को ध्याता,
मन वांछित फल पाता, जय मनसा माता ।
जरत्कारू मुनि पत्नी, तुम वासुकि भगिनि
मैया तुम वासुकि भगिनि
कश्यप की तुम कन्या आस्तीक की माता
सुरनर मुनिगण ध्यावत सेवत नर नारी
मैया सेवत नर नारी
गर्व धनवन्तरी नाशिनी, हंस वाहिनी देवी
जय नागेश्वरी माता, जय मनसा माता
पर्वतवासिनी संकट नाशिनी,
अक्षय धन दात्री
मैया अक्षय धनदात्री
पुत्र पौत्रदायिनी माता,
मन इच्छा फल दाता, जय मनसा माता
मनसा जी की आरती जो कोई नर गाता
मैया जो नर नित गाता
कहत शिवानन्द स्वामी कहत हरिहर स्वामी
सुख सम्पत्ति पाता, जय मनसा माता

विवरण

हे मनसा माता! आपका जो कोई भी ध्यान करता है, उसके मन की सारी कामनाएँ पूरी हो जाती हैं । आप जरत्कारु मुनि की पत्नी हो तथा वासुकि नाथ की बहन हो, कश्यप मुनि की आप पुत्री हो एवं आस्तीक मुनि की माता हो, सभी देवता गण, मुनिगण तथा स्त्री एवं पुरुष आपका भजन करते हुए आपकी सेवा में लगे रहते हैं ।

आप धन्वन्तरी महाराज के घमण्ड को चूर करने वाली हो तथा हँस की सवारी करने वाली हो । आप मनसा माता सभी नागों की माता हो तथा आप पर्वतों पर निवास करने वाली हो एवं हमारे सभी दुख - संतापों को विनष्ट करने वाली हो।

आप ऐसे धन को देने वाली हो, जिसका कभी नाश नहीं हो सकता तथा साथ ही में पुत्र एवं पौत्र से हमें युक्त करने वाली हो । आप हमारे मन के अनुसार फल देनेवाली हो । श्री शिवानन्द स्वामी एवं हरिहर स्वामी कहते हैं कि इस मनसा माता की आरती जो कोई भी गाता है, उसे अनेकों प्रकार के धन की प्राप्ति होती है।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.